

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 15, 1 सैमुअल 26-28

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म और 1 और 2 सैमुअल पर उनकी शिक्षा है। यह 1 सैमुअल 26-28 पर सत्र 15 है। डेविड स्पेयर्स शाऊल अगेन, अध्याय 26। डेविड फ्लीस टू गैथ अगेन, अध्याय 27, और सीन्स इन ऐन डोर, बैड न्यूज बियॉन्ड द ग्रेव, अध्याय 28।

अपने अगले पाठ में, हम 1 शमूअल अध्याय 6 से 28 पर गौर करेंगे। आइए हम अध्याय 24 और 25 में जो देखा उसकी समीक्षा करें। शाऊल, निश्चित रूप से, पूरे जंगल में डेविड का पीछा कर रहा है। वह उसे मारना चाहता है और उससे छुटकारा पाना चाहता है जिसके बारे में उसका मानना है कि वह उसका उत्तराधिकारी बनना चाहता है।

अध्याय 24 में, चीज़ें थोड़ी-थोड़ी हद तक चरम पर आ जाती हैं। ईश्वर की कृपा से, शाऊल खुद को राहत देने के लिए एक गुफा में भटकता है। दाऊद और उसके आदमी उस गुफा में थे।

दाऊद के जनों ने दाऊद से कहा, यही तेरे शत्रु से छुटकारा पाने का अवसर है। लेकिन डेविड ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। वह कहता है, मैं यहोवा के अभिषिक्त पर हाथ नहीं उठाऊंगा।

दाऊद चुपचाप आता है और शाऊल के वस्त्र का एक कोना काट देता है। जब शाऊल गुफा से बाहर निकला, तब दाऊद बाहर निकला और उसका सामना करके कहने लगा, मुझे तुझे मार डालने का अवसर मिला था, परन्तु मैं ने ऐसा न किया। यह साबित करने के लिए कि मेरे पास वह अवसर था, यहाँ आपके लबादे का एक कोना है।

और शाऊल को एहसास हुआ कि दाऊद उसका दुश्मन नहीं है। डेविड का तर्क है कि वह निर्दोष है और उसका शाऊल को मारने का कोई इरादा नहीं है। यदि वह उसे मारना ही चाहता तो गुफा में भी मार सकता था।

शाऊल ने इसे स्वीकार किया, और शाऊल ने स्वीकार किया कि उसने गलत किया है। डेविड सही है, वह गलत है। शाऊल यह भी कहता है कि किसी दिन दाऊद राजा बनेगा।

तो, डेविड के लिए माफ़ी में, डेविड का बचाव जो लेखक 1 सैमुअल की पुस्तक में विकसित कर रहा है, वह प्रदर्शन ए है। शाऊल के स्वयं के मुंह से, वह कबूल करता है कि डेविड वह है जिसे भगवान ने राजा बनने के लिए चुना है, कि वह डेविड को मारने की कोशिश के कारण दोषी है, और डेविड निर्दोष है। वे अपने-अपने रास्ते चले जाते हैं। अध्याय 25 में, डेविड की मुलाकात नवल नाम के एक व्यक्ति से होती है, जो एक मूर्ख व्यक्ति है, लेकिन उसकी एक बहुत बुद्धिमान पत्नी है, अबीगैल।

दाऊद नाबाल पर क्रोधित हो जाता है क्योंकि दाऊद और उसके लोगों ने नाबाल के चरवाहों और भेड़-बकरियों की रक्षा की है, लेकिन नाबाल को यह पसंद नहीं है और वह दाऊद का अपमान

करता है। और दाऊद नवल और उसके घर के प्रत्येक पुरुष को मारने के लिए तैयार है। यह गलत होगा, यह डेविड की ओर से हत्या होगी।

अबीगैल, ना बाल की बुद्धिमान पत्नी, डेविड के पास आती है और अनिवार्य रूप से उसे इस उतावले, जानलेवा काम को करने से रोकती है। डेविड पहचानता है कि वह प्रभु की एजेंट है, और वह स्वीकार करता है कि वह गलत था, और वह नवल और उसके परिवार को मारने के अपने घोषित इरादे से पीछे हट जाता है। और यहाँ हम देखते हैं कि डेविड ज्ञान की आवाज़ सुनता है।

लेकिन दोनों परिच्छेदों में, एक महत्वपूर्ण विषय सामने आता है, जिसे डेविड ने अध्याय 24 में कहा है, कि हम प्रतिशोध प्रभु पर छोड़ते हैं। प्रभु इसका ध्यान रखेंगे। तो यह पृष्ठभूमि है।

यहां अध्याय 26 में, हम एक ऐसी घटना के बारे में पढ़ने जा रहे हैं जो अध्याय 24 में घटी घटना के समान है। वास्तव में, मैंने अध्याय 26 का शीर्षक रखा है, डेविड स्पेयर्स शाऊल का जीवन फिर से। यदि आपको याद हो, तो हमने 1 सैमुअल 24, डेविड स्पेयर्स शाऊल का जीवन शीर्षक दिया था।

अब यहां 26 में, वह फिर से ऐसा करने जा रहा है। उसके पास शाऊल को मारने का एक और अवसर होगा, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। और इसलिए, यदि 1 सैमुअल 24 डेविड की ईमानदारी की रक्षा में प्रदर्शनी ए में था, तो 1 सैमुअल 26 प्रदर्शनी बी में होगा, मुझे लगता है।

लेकिन दोनों दर्शाते हैं कि डेविड का शाऊल को मारने का कोई इरादा नहीं था। वह शाऊल का दुश्मन नहीं है, भले ही शाऊल उसे इसी तरह समझता है। कुछ विद्वान, कुछ आलोचनात्मक विद्वान, जैसा कि वे ऐसा करने में प्रवृत्त होते हैं, विश्वास ही नहीं कर पाते कि ऐसा कुछ दो बार हो सकता है।

और इसलिए, वे तर्क देंगे, ठीक है, केवल एक ही घटना थी जहां डेविड ने शाऊल की जान बचाई थी। हमारे पास इसके दो अलग-अलग संस्करण हैं, इसकी दो परंपराएँ हैं। खैर, वास्तव में जीवन देजा वु क्षणों से भरा है।

इस तरह की चीजें कभी-कभी बार-बार होती रहती हैं। और ये कहानियाँ कुछ मायनों में समान हैं, लेकिन वे बहुत, बहुत अलग हैं। 1 शमूएल 24 में, परमेश्वर का विधान अवसर लाता है।

शाऊल अचानक उस गुफा में चला गया जहाँ दाऊद और उसके आदमी थे। 1 सैमुअल 26 में, डेविड संपर्क शुरू करने जा रहा है। और इसलिए, यदि आप इन कहानियों को एक साथ पढ़ते हैं, तो वे वास्तव में काफी अलग हैं।

और इसलिए, हमारे पास दो अलग-अलग घटनाएँ हैं। आप शायद सोच रहे होंगे, हाँ, लेकिन शाऊल 1 शमूएल 24 में डेविड के बारे में बहुत सकारात्मक बात कर रहा था। वह वास्तव में फिर से डेविड का पीछा नहीं करेगा, क्या वह, अध्याय 24 में जो कुछ उसने कहा था उसके बाद? ओह, हाँ, वह करेगा।

शाऊल इस समय बहुत अप्रत्याशित है। याद रखें, उसके पास एक दुष्ट आत्मा है जो उसे पीड़ा दे रही है, और वह ऊपर-नीचे होता रहता है, और वह अविश्वसनीय है। और निस्संदेह, यह यहां प्रस्तुतीकरण की प्रतिभा का हिस्सा है।

शाऊल को परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया है। उसका व्यवहार इसे प्रदर्शित करता है। और इसलिए, 1 शमूएल 26 लेखक द्वारा डेविड के बचाव में 1 शमूएल 24 के ठीक साथ एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

1 शमूएल 26 में, हम पढ़ते हैं कि जीपवासी गिबा में शाऊल के पास गए। याद रखें, उन्होंने डेविड के बारे में पहले भी रिपोर्ट की थी। और उन्होंने कहा, क्या दाऊद हकीला नाम पहाड़ पर जो यशीमोन के साम्हने छिपा है छिपा हुआ है? और इस प्रकार, शाऊल जीप के जंगल में गया।

उसके पास ये सभी सैनिक हैं। वह डेरा बनाता है। यह स्पष्ट है कि शाऊल ने अध्याय 24 से अपनी धुन बदल दी है।

जब उसे बताया गया कि दाऊद वहीं आसपास है, तो शाऊल फिर उसके पीछे गया। आप इस समय शाऊल पर भरोसा नहीं कर सकते। हम अध्याय 26 के पद 5 में पढ़ते हैं, तब दाऊद चल पड़ा और उस स्थान पर गया जहां शाऊल ने डेरा डाला था।

इस बार कोई गुफा नहीं है। डेविड जानबूझकर ऐसा कर रहा है। यह सिर्फ आकस्मिक नहीं है।

दाऊद जानबूझकर शाऊल को ढूंढ़ रहा है। और उस ने देखा, कि शाऊल और नेर का पुत्र अब्नेर, सेनापति, कहां बैठे थे। शाऊल छावनी के भीतर लेटा हुआ था, और सेना उसके चारों ओर डेरा डाले हुए थी, जैसी कि तुम आशा करते हो।

आप उम्मीद करेंगे कि राजा भीतरी भाग में, केंद्र में और उसके चारों ओर सेना हो। तो, वहाँ सापेक्षिक सुरक्षा है। और तब दाऊद ने हिती अहीमेलेक और सरूयाह के पुत्र अबीशै से पूछा।

सरूयाह दाऊद की बहन, योआब का भाई है। तो अबीशै योआब के साथ दाऊद का भतीजा है। मेरे साथ छावनी में शाऊल के पास कौन जाएगा? इसलिए, दाऊद शाऊल के शिविर में मार्च करने जा रहा है।

अबीशै ने कहा, मैं तुम्हारे साथ चलूंगा। अतः दाऊद और अबीशै रात को सेना में गए। तो जाहिर तौर पर संतरी, किसी ने भी डेविड को नहीं देखा।

वह सीधे शाऊल के शिविर में चला गया। और शाऊल छावनी के भीतर सो रहा था, और उसका भाला उसके सिर के पास भूमि में गड़ा हुआ था। हमने पहले इस भाले के बारे में एक टिप्पणी की थी।

जब वह भाला दिखता है, तो वह हमें कुछ चीजों की याद दिलाता है। यह दाऊद के प्रति शाऊल की शत्रुता और उसके जानलेवा इरादों की याद दिलाता है। उसने दो बार डेविड पर अपना भाला फेंका लेकिन वह चूक गया।

एक बार उसने इसे अपने बेटे जोनाथन पर भी फेंका था। तो वह भाला, उस भाले की छवि ही दाऊद को याद दिलाएगी, यह आदमी तुम्हारा दुश्मन है। वह तुम्हें मारने की कोशिश कर रहा है।

यह एक अवसर भी प्रस्तुत करता है, क्योंकि यहीं एक हथियार है जिसका उपयोग किया जा सकता है। और वह शाऊल के सिर के पास भूमि में गड़ा हुआ है। अब्रैर और सैनिक उसके चारों ओर लेटे हुए थे।

अबीशै ने दाऊद से कहा, स्मरण कर, कि गुफा में दाऊद के जनों ने उस से कहा था, यही तेरा अवसर है। आपको शाऊल को तस्वीर से बाहर निकालना होगा। और दाऊद ने कहा, मैं यहोवा के अभिषिक्त पर हाथ न उठाऊंगा।

यह लगभग वैसा ही है जैसे अबीशै ने यह महसूस करते हुए कि डेविड शाऊल को मारना नहीं चाहता है, कहा, ठीक है, ठीक है, मैं यह तुम्हारे लिए करूंगा। आज परमेश्वर ने तुम्हारे शत्रु को तुम्हारे हाथ में सौंप दिया है। अबीशै इस प्रकार सोच रहा है।

भगवान ने हमें बिना बताए यहाँ आने की अनुमति दी। वहाँ भाला है। वहाँ शाऊल है।

ईश्वर हमें यह अवसर अवश्य दे रहा होगा। कभी-कभी ईश्वर की इच्छा के अनुसार घटनाओं की व्याख्या करना आसान होता है। और आप गलत हो सकते हैं।

आप बिल्कुल गलत हो सकते हैं। चीजें ऐसी लग सकती हैं जैसे भगवान एक निश्चित दिशा में कुछ योजना बना रहा है, लेकिन आप वास्तव में नहीं जानते हैं। और अबीशै यहाँ गलत है।

आज परमेश्वर ने तुम्हारे शत्रु को तुम्हारे हाथ में सौंप दिया है। यह सच हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि डेविड उसे मार डालेगा। अब, मुझे भाले के एक झटके से उसे ज़मीन पर गिरा देने दो।

मैं उस पर दोबारा प्रहार नहीं करूंगा। अबीशै का कहना है कि इसमें केवल एक जोर लगाने की जरूरत है। परन्तु दाऊद ने अबीशै से कहा, उसे नाश न कर।

कौन प्रभु के अभिषिक्त पर हाथ रख कर निर्दोष ठहर सकता है? यहोवा के जीवन की शपथ, दाऊद शपथ खाता है। उसने कहा कि प्रभु स्वयं उस पर वार करेंगे। तो, हम यहां डेविड के दर्शन को देखते हैं।

हाँ, शायद प्रभु ने शाऊल को उसके हाथों में सौंप दिया है, लेकिन उसे मारने के लिए नहीं, बल्कि दाऊद को शाऊल के सामने अपनी बेगुनाही दिखाने का एक और मौका देने के लिए। तो, यहाँ दाऊद का रवैया यह है कि शायद प्रभु स्वयं उस पर प्रहार करेगा, या उसका समय आएगा और

वह मर जाएगा, या वह युद्ध में जाएगा और नष्ट हो जाएगा। इसलिए, डेविड विभिन्न तरीकों की कल्पना करता है ताकि प्रभु शाऊल को खेल के मैदान से बाहर कर दें।

हो सकता है कि प्रभु उस पर प्रहार करें, जैसा उसने नाबाल में किया था, या शायद उसका समय आ जाएगा। हर कोई अंततः बूढ़ा हो जाता है और मर जाता है, या हो सकता है कि वह युद्ध में चला जाए और नष्ट हो जाए, और निस्संदेह, यह वह तीसरा है जो वास्तव में घटित होने वाला है। परन्तु प्रभु न करे कि मैं प्रभु के अभिषिक्त पर हाथ उठाऊं।

अब उसके सिर के पास जो भाला और पानी का घड़ा है, उसे ले आओ और चलो। पहले की तरह, जब दाऊद ने शाऊल को यह साबित करने के लिए कि उसके पास अवसर है, शाऊल के वस्त्र का एक छोटा सा हिस्सा काट दिया, तो वह उस भाले और पानी के जग का उपयोग यहाँ भी उसी उद्देश्य के लिए करने जा रहा है। इसलिये दाऊद भाला और पानी का घड़ा शाऊल के सिरहाने के पास ले गया और वे चले गये।

किसी ने न तो देखा, न ही इसकी जानकारी हुई और न ही कोई जागा। वे सभी सो रहे थे। और आप हमेशा यह सोचते रहे होंगे कि वे यहां कैसे घुस आए और उनकी बात सुनी नहीं गई, उनका पता नहीं चला और किसी ने कुछ नहीं किया? खैर, हमें यहां पता चलता है कि भगवान वास्तव में इसमें हैं।

वह इस सब में डेविड के साथ हैं।' इसलिए नहीं कि वह चाहता है कि दाऊद शाऊल को मार डाले, बल्कि इसलिए कि वह चाहता है कि दाऊद को अपनी बेगुनाही साबित करने का एक और मौका मिले। क्योंकि यहोवा ने उन्हें गहरी नींद में डाल दिया था।

तो, यहोवा ने अभी-अभी शाऊल की सारी सेना पर अपनी धूल छिड़की थी और वे सो रहे थे। और फिर डेविड यह सुनिश्चित करेगा कि वह सुरक्षित दूरी पर पहुंच जाए। जब आप शाऊल जैसे किसी व्यक्ति के साथ व्यवहार कर रहे हों, तो आपको सावधान रहने की आवश्यकता है।

और फिर दाऊद दूसरी ओर चला गया और वह एक पहाड़ी की चोटी पर खड़ा हो गया और उसके और शाऊल की सेना के बीच एक विस्तृत जगह थी और उसने सेना को और नायर के पुत्र अब्नेर को बुलाया। और डेविड यहां थोड़ी फालतू बातें करने जा रहा है। वह इसे अब्नेर पर थोपने जा रहा है क्योंकि अब्नेर सेना का कमांडर है।

स्वामी शाऊल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। और इसलिए, डेविड चिल्लाता है, क्या तुम मुझे उत्तर नहीं दोगे, अब्नेर? अब्नेर ने उत्तर दिया, तू कौन है जो राजा को बुलाता है? और दाऊद ने कहा, तुम पुरुष हो, है न? और इस्राएल में तेरे तुल्य कौन है? तुमने अपने प्रभु राजा की रक्षा क्यों नहीं की? कोई तुम्हारे प्रभु राजा को नष्ट करने आया है। तुमने जो किया वह अच्छा नहीं है।

प्रभु के जीवन की शपथ, तुम्हें और तुम्हारे लोगों को अवश्य मरना चाहिए क्योंकि तुमने अपने स्वामी, प्रभु के अभिषिक्त की रक्षा नहीं की। अपने चारों ओर देखो, राजा का भाला और पानी का घड़ा जो उसके सिर के पास था, कहाँ हैं? तो, डेविड इसे यहाँ पर रगड़ रहा है। और शाऊल दाऊद की आवाज पहचानता है।

और पहले की तरह, फिर से, अध्याय 24 और अध्याय 26 के बीच समानताएं हैं, लेकिन जीवन में इस प्रकार के क्षण होते हैं। कई बार मुझे अतीत में अपने अनुभव में घटी कोई बात याद आ रही है। वहीं एक और घटना ऐसी ही थी।

और मुझे एहसास हुआ, जैसे ही मैं कहानी बताना शुरू करता हूं और विवरणों को एक साथ जोड़ता हूं, मैं इन दो कहानियों को विलय कर रहा हूं। वास्तव में दो घटनाएँ थीं और मैं उन्हें ऐसे मिला रहा हूँ मानो वे एक ही हों। यहां भी वही बात है, समानताएं हैं, लेकिन कुछ स्पष्ट अंतर हैं।

और शाऊल कहता है, क्या वह तेरी आवाज है? डेविड, मेरा बेटा। यह जेसी का बेटा नहीं है, यह डेविड है, फिर से मेरा बेटा। इसलिए, वह अधिक प्रिय तरीके से बात कर रहा है, जैसा कि उसने अध्याय 24 में किया था।

और डेविड जवाब देता है। और एक बार फिर, दाऊद के शब्द शाऊल के प्रति उसके दृष्टिकोण, उसकी विनम्रता और उसकी मान्यता को दर्शाते हैं कि शाऊल वास्तव में उसका भगवान है। और वह कहता है, हाँ, यह मेरा प्रभु, राजा है।

और उस ने आगे कहा, मेरा प्रभु अपने दास का पीछा क्योंकर रहा है? तो, एक तर्क बिल्कुल उसी के समान है जो उसने पहले रखा था। मैंने क्या कि? और मैं किस ग़लती का दोषी हूँ? अब मेरा स्वामी राजा अपने सेवक की बातें सुन ले। यदि यहोवा ने तुम को मेरे विरुद्ध भड़काया है, तो क्या वह भेंट ग्रहण करे।

तथापि, यदि लोगों ने ऐसा किया है, तो वे प्रभु के सामने शापित हों। उन्होंने आज मुझे यहोवा के निज भाग में से मेरे भाग से निकाल दिया है, और कहा है, जाकर पराये देवताओं की उपासना करो। अब मेरा लोहू यहोवा की उपस्थिति से दूर भूमि पर न गिरने दे।

इस्राएल का राजा पिस्सू की खोज में उसी प्रकार निकला है, जैसे कोई पहाड़ों में तीतर का शिकार करता है। डेविड अपने बारे में अपमानजनक शब्दों में बोलता है। मैं कौन हूँ? तुम्हें मुझसे कोई डर नहीं है।

लेकिन यहां डेविड, यह दिलचस्प है, वह दो संभावनाएं पेश करता है कि शाऊल ऐसा करने पर क्यों अड़ा हुआ है। एक तो यह कि यहोवा ने शाऊल को दाऊद के विरुद्ध भड़काया है, जो थोड़ा अजीब लग सकता है। प्रभु स्पष्ट रूप से दाऊद के पक्ष में है।

वह शाऊल को दाऊद को मारने की कोशिश करने के लिए क्यों उकसाएगा? क्या प्रभु विवादित हैं? नहीं, मुझे लगता है कि डेविड के मन में वह दुष्ट आत्मा है। याद रखें, जब डेविड को पहली बार काम पर रखा गया था, तो उसे काम पर क्यों रखा गया था? 1 शमूएल 16 में, प्रभु की यह दुष्ट आत्मा शाऊल को पीड़ा दे रही थी।

और शाऊल को शान्त करने के लिथे उन्होंने दाऊद को झूठा ठहराने के लिथे उसके साथ ले लिया। तो, दाऊद जानता है कि प्रभु शाऊल को पीड़ा दे रहा है और इसलिए वह कहता है, तुम्हें

पता है, यदि प्रभु ही वह है जो तुम्हें किसी भी उद्देश्य के लिए मेरे खिलाफ भड़का रहा है, और मुझे लगता है कि प्रभु, हमने इस बारे में पहले बात की है, प्रभु यह प्रदर्शित करने के लिए ऐसा कर रहा है कि शाऊल चुना हुआ नहीं है। और यदि ऐसा है, तो यहोवा तुम्हारी भेंट स्वीकार करे।

आपको कुछ करने की जरूरत है। आपको पश्चात्ताप करने और प्रभु के सामने भेंट लेकर आने की आवश्यकता है और वह आपसे इसे स्वीकार करें। अगर इंसान ही आपको ऐसा करने के लिए उकसा रहे हैं तो लानत हो उन्हें।

क्योंकि वे जो कर रहे हैं वह यह है कि वे मुझे प्रभु की विरासत में मेरे हिस्से से दूर कर रहे हैं। वे मुझे जमीन से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। और जब मैं भूमि छोड़ता हूँ, तो जिस तरह से वे प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया में सोचते हैं, इन विभिन्न भूमियों में संरक्षक देवता हैं।

यह ऐसा है जैसे वे मुझे प्रभु की भूमि से दूर किसी विदेशी भूमि पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं जहां मुझे अन्य देवताओं की सेवा करनी होगी। और डेविड यह सुझाव नहीं दे रहा है कि वह ऐसा करेगा, और उसने ऐसा तब नहीं किया जब वह पलिशती क्षेत्र में गया था या कुछ और, लेकिन वह कह रहा है कि यह वही है जो वे मुझे करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आप इसे इस तरह से देख सकते हैं।

मुझे नहीं लगता कि डेविड को प्रलोभन दिया गया था, लेकिन उनका तर्क यह है कि वे मुझे इज़राइल से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए मैं अब इज़राइली भी नहीं हूँ। वे मुझे ऐसी स्थिति में डालने की कोशिश कर रहे हैं जहां मुझे अपने ही लोगों और अपने भगवान को अस्वीकार करना होगा। यह सही नहीं है, डेविड कहते हैं।

तब शाऊल उत्तर देगा, मैं ने पाप किया है। उसने यह पहले भी कहा था, वह फिर कहता है, मैंने पाप किया है। वापस आओ, डेविड, मेरे बेटे।

वह डेविड को वापस आने के लिए आमंत्रित करता है। उसने पहले ऐसा नहीं किया था। चूँकि आज तुमने मेरी जान कीमती समझी, इसलिए मैं दोबारा तुम्हें नुकसान पहुँचाने की कोशिश नहीं करूँगा।

निश्चय ही, मैंने मूर्ख की तरह काम किया है और बहुत गलत हूँ। अब डेविड की माफ़ी, डेविड के बचाव में ये बहुत अहम है। एक बार फिर, शाऊल स्वयं कह रहा है कि मैंने पाप किया है, मैं गलत हूँ, मैं तुम्हारा पीछा करने और तुम्हें मारने की कोशिश में मूर्ख हूँ, मैं इसमें बहुत गलत हूँ, तुम निर्दोष हो, मैं दोषी हूँ।

इसलिए, भविष्य में, यदि बिन्यामीनियों के बीच कोई संदेह है कि कौन सही है और कौन गलत है, तो ये कहानियाँ यहीं प्रदर्शित करेंगी कि डेविड सही है। फिर भी, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है हम यह देखने जा रहे हैं कि लोग, जिनमें बेन्जामिनवासी भी शामिल हैं, अभी भी डेविड पर गलत काम करने का आरोप लगा रहे हैं। तो आप देख सकते हैं कि लेखक ने इसे क्यों शामिल किया है।

हमने वास्तव में शाऊल को दो बार इस बात का गवाह बनाया है कि डेविड निर्दोष है। दो गवाह, और इस मामले में शाऊल, दो अलग-अलग समय। अब, ऐसा कहा जा सकता है कि डेविड वास्तव में अपने तर्क को घर तक पहुंचाने जा रहा है।

दाऊद ने उत्तर दिया, यह राजा का भाला है। अपने एक जवान को आकर इसे लेने दो। तो, मुद्दा यह है कि मुझे तुम्हारा भाला मिल गया, मैं तुम्हें मार सकता था, पहले की तरह।

प्रभु प्रत्येक को उनकी धार्मिकता और विश्वासयोग्यता का प्रतिफल देता है। यहोवा ने आज तुझे मेरे हाथ में कर दिया, परन्तु मैं यहोवा के अभिषिक्त पर हाथ न उठाऊंगा। जैसे आज मैंने आपके जीवन को महत्व दिया है, वैसे ही प्रभु मेरे जीवन को महत्व दें और मुझे सभी संकटों से बचाएं।

डेविड यहां अपने लिए प्रार्थना करता है, और ऐसा करना उसका अधिकार है। वह भगवान से कह रहा है, सबसे पहले, भगवान धार्मिकता और विश्वासयोग्यता को पुरस्कृत करने के व्यवसाय में है। मुझे तुम्हारी हत्या करने का अवसर मिला।

मैंने इसे नहीं लिया, क्योंकि आप प्रभु के अभिषिक्त हैं। मैंने आपके प्रति और आपका अभिषेक करने वाले प्रभु के प्रति सम्मान दिखाया, और इसलिए मैं प्रभु से मुझे पुरस्कृत करने के लिए कह रहा हूँ। मुझे लगता है कि मैं इसके लायक हूँ, और मैं भगवान से विनती कर रहा हूँ कि जिस तरह मैंने आपके जीवन को महत्व दिया और आपको बचाया है, उसी तरह वह मेरे जीवन को महत्व दें और मुझे सभी परेशानियों से बचाएं।

यह शेखी बघारने वाला लग सकता है, यह आत्म-प्रचार करने वाला लग सकता है, लेकिन ऐसा करना डेविड के अधिकार में है, यह देखते हुए कि प्रभु न्यायी शासक हैं। तब शाऊल ने दाऊद से कहा, हे मेरे पुत्र दाऊद, तू धन्य हो। शाऊल ने इसे सेकेंड किया।

हे दाऊद, मेरे पुत्र, तू धन्य हो। आप महान कार्य करेंगे और निश्चित रूप से विजयी होंगे। डेविड शाऊल के साथ जुड़ने का अवसर नहीं लेता।

उसने उस निमंत्रण को ठुकरा दिया, और हम अध्याय 26 के अंत में पढ़ते हैं, इसलिए डेविड अपने रास्ते चला गया और शाऊल घर लौट आया। और इसलिए यदि हम इस अध्याय के मुख्य विषय के संदर्भ में सोच रहे हैं, तो यह वास्तव में अध्याय 24 जैसा ही है। भगवान अपने चुने हुए सेवकों को सही ठहराते हैं जब वे न्याय के लिए उनकी ओर देखते हैं।

और पहले की ही तरह, यहां कुछ प्रमुख सिद्धांत सामने आते हैं, जो यह हैं कि जब भगवान के वादे की पूर्ति में देरी होती है, तो भगवान के चुने हुए सेवकों, इस मामले में डेविड को इस मुद्दे को मजबूर करने के प्रलोभन का विरोध करना चाहिए। अभीशै चाहता था कि दाऊद शाऊल को मार डाले, या वास्तव में उसने स्वेच्छा से यह काम किया। नहीं, नहीं, नहीं, आप इस मुद्दे को तूल न दें।

इसके बजाय, आप वही करते हैं जो सही है और आप भगवान के अच्छे समय की प्रतीक्षा करते हैं। और डेविड फिर से वही कर रहा है। और जैसा कि हमने पहले अध्याय 24 में देखा था,

उत्पीड़न सहते समय, जब कोई ईश्वर के वादे के पूरा होने की प्रतीक्षा करता है, तो उसे प्रतिशोध के लिए ईश्वर की ओर देखना चाहिए।

और इसलिए, वास्तव में तीसरे सीधे अध्याय के लिए, डेविड ने प्रतिशोध को भगवान के हाथों में छोड़ने का फैसला किया है, ताकि भगवान उसे दोषी ठहरा सके। वह अध्याय 25 में नाबाल के साथ न्याय अपने हाथों में लेने के बहुत करीब आ गया था, लेकिन अबीगैल ने उसे इससे दूर कर दिया। उसने ज्ञान की आवाज सुनी।

और इसलिए, डेविड यहां अच्छे रास्ते पर है। हालाँकि, आगे क्या होता है यह थोड़ा आश्चर्यजनक है। अध्याय 27 में, जिसका मैंने शीर्षक दिया है, दाऊद फिर से गत की ओर भाग गया, यह दूसरी बार होगा कि दाऊद ने भूमि छोड़कर पलिशती क्षेत्र में जाने का निर्णय लिया है, और वह गत की ओर जाने वाला है।

आपको अध्याय 21 याद होगा, डेविड ने ऐसा किया था। वह भाग रहा था। शाऊल उसके पीछे था और वह अकेला था।

वह पुजारी के पास गया। उसे गोलियथ की तलवार मिल गई और वह अकेले गत चला गया। उसे अपने आप को एक बहुत ही कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने के लिए छल का उपयोग करना पड़ा, जिसमें उसने खुद को भूमि छोड़कर पलिशतियों के पास जाकर डाल दिया था।

याद रखें जब उन्होंने उसे देखा, तो उन्होंने कहा, वाह, यह राजा है। यह वही है जिसने युद्ध में बहुत से पलिशतियों को मार डाला है। और डेविड को एहसास हुआ कि वे जानते हैं कि मैं कौन हूँ।

मैं मुसीबत में हूँ, और उसे इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए यह दिखावा करना होगा कि वह पागल है। और स्मरण रखो, वहां का राजा आकीश कहता है, मेरे चारों ओर बहुत से पागल हैं। मुझे एक और की जरूरत नहीं है।

और इसलिए, उसने डेविड को यह सोचकर जाने दिया कि वह पागल है। लेकिन डेविड को खुद को एक बेहद कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने के लिए छल का इस्तेमाल करना पड़ा। अब वह फिर से गैथ जाने वाला है, अजीब बात है।

मुझे लगता है कि उसने अभी तय कर लिया है कि शाऊल पूरी तरह से अप्रत्याशित है। मैं इससे थक गया हूँ। हमें एक तरह से निर्णय लेना होगा कि क्या यह सकारात्मक बात है? मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।

याद रखें पहली बार जब दाऊद चला गया, तो प्रभु ने उसे वापस आने पर मजबूर कर दिया। वह चला गया और वह मोआब में चला गया। और भविष्यद्वक्ता ने उस से कहा, तेरा स्थान यहूदा में फिर आ गया है।

इसलिए, मैं इसे कोई सकारात्मक चीज़ के रूप में नहीं देखता। डेविड खुद को फिर से एक कठिन परिस्थिति में फंसाने जा रहा है, और खुद को इससे बाहर निकालने के लिए उसे धोखे का इस्तेमाल करना होगा। और मैं इस विशेष मामले में इतना निश्चित नहीं हूँ कि प्रभु डेविड के धोखे का समर्थन कर रहे हैं।

आप जानते हैं, हमने इस तथ्य के बारे में बात की थी कि कभी-कभी धोखा देना ठीक है। आपको प्रत्येक संदर्भ को बहुत ध्यान से देखना होगा। कभी-कभी यह अधिक तटस्थ होता है।

कभी-कभी यह ठीक नहीं होता। और इससे पहले, जब डेविड ने देश छोड़ा था, तो इसे नकारात्मक रूप से देखा गया था। और मुझे यह विश्वास करना होगा कि लेखक इसे यहाँ नकारात्मक रूप से देखेगा।

और जैसा कि हम देखेंगे, डेविड स्वयं को बहुत कठिन परिस्थिति में डाल देता है। और इसलिए दाऊद फिर गत को भाग गया। दरअसल, हम उनकी सोच से वाकिफ हैं।

1 शमूएल 27:1 में, दाऊद ने मन में सोचा, इन दिनों में से एक दिन मैं शाऊल के हाथ से नष्ट हो जाऊंगा। अब यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि डेविड को आश्वासन दिया गया है कि ऐसा नहीं होगा। शाऊल का पुत्र योनातान दाऊद के पास आकर कहने लगा, मेरा पिता तुझे मार न सकेगा।

आपका इस्राएल का राजा बनना तय है। मैं आपका दूसरा कमांड बनूंगा। इसलिये शाऊल का अपना पुत्र योनातान आया, और जब दाऊद दौड़ रहा था, तब उसने आकर उसे प्रोत्साहित किया।

शाऊल ने स्वयं अध्याय 24 में भविष्यवाणी की थी कि तुम राजा बनोगे। अध्याय 26 में उन्होंने कहा, तुम विजयी होगे। अबीगैल ने इस तथ्य के बारे में बात की कि डेविड अंततः समृद्ध होगा।

और यहोवा दाऊद के सभी शत्रुओं को हरा देगा। और इसलिए, प्रभु दाऊद को यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह समृद्ध होगा, व्यक्तियों, प्रमुख व्यक्तियों, जोनाथन, शाऊल और ज्ञान की वाणी, अबीगैल का उपयोग कर रहा है। लेकिन जिंदगी में कभी-कभी हम इतने दबाव में आ जाते हैं।

हम परमेश्वर के इन वादों को नज़रअंदाज कर देते हैं। और हम बस परिस्थितियों के वश में हो जाते हैं। और यहाँ डेविड के साथ यही होता है।

इनमें से किसी एक दिन मैं शाऊल के हाथ से नष्ट हो जाऊंगा। सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकता हूँ वह पलिशियों की भूमि पर भाग जाना है। मुझे यकीन नहीं है कि यह सच है।

मुझे यकीन नहीं है कि वह सबसे अच्छी चीज़ है जो वह कर सकता है। तब शाऊल इस्राएल में कहीं भी मुझे ढूँढ़ना छोड़ देगा, और मैं उसके हाथ से निकल जाऊंगा। तो, डेविड इस तरह की सोच में पड़ गया है कि मैं अपने भाग्य का स्वामी स्वयं हूँ।

और वह वास्तव में इस समय भगवान में विश्वास नहीं दिखा रहा है। यह सतह पर अच्छा दिखता है। यह बहुत ही व्यावहारिक प्रकार का तर्क है।

लेकिन मुझे लगता है ऐसा नहीं है। डेविड इस बिंदु पर दृष्टि से चल रहे हैं, विश्वास से नहीं। और इसलिए वह अपने 600 आदमियों को ले जाता है।

दूसरी बार वह बिल्कुल अकेला था। अब उसके पास एक छोटी सी निजी सेना है। उसके पास मौलभाव करने के लिए कुछ है।

और इसलिए, वह चला गया और वह गत के राजा आकीश के पास गया। और दाऊद और उसके जनों ने आकीश के पास गत में बस गए। और प्रत्येक मनुष्य के साथ उसका परिवार भी है।

इस समय डेविड की दो पत्नियाँ, अचिनोअम और अबीगैल हैं। याद रखें, माइकल को किसी और को दे दिया गया था। और जब शाऊल को यह समाचार मिला, कि दाऊद गत को भाग गया है, तब उस ने फिर उसकी खोज न की।

तो, डेविड सही था। उन्होंने कहा, बहुत व्यावहारिक स्तर पर, मेरे लिए सबसे अच्छी बात जमीन से बाहर निकलना है। शाऊल, यदि वह जानता है कि मैं यहाँ नहीं हूँ और मैं पलिशती क्षेत्र में हूँ, तो वह अब मेरा पीछा नहीं करेगा।

मैं नहीं चाहता कि वह मेरी गर्दन पर सांस ले। मेरे पास यह काफी है। और इसलिए, बहुत व्यावहारिक स्तर पर, डेविड सही थे।

कभी-कभी जब हम आस्था से नहीं, बल्कि दृष्टि से चलते हैं, तो कम से कम शुरुआत में तो निर्णय अच्छा लगता है। एक स्मार्ट की तरह लग रहा है। और यहाँ भी ऐसा ही प्रतीत होता है।

लेकिन चीजें जटिल होती जा रही हैं। तब दाऊद ने आकीश से कहा, यदि तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हो, तो देश के किसी नगर में मेरे लिये स्थान ठहरा दे, कि मैं वहाँ रहूँ। तेरा दास तेरे संग राजनगर में क्यों रहे? दूसरे शब्दों में, मैं यहाँ आपका कोई भला नहीं कर रहा हूँ।

आप मुझे उन सीमावर्ती कस्बों में से एक में क्यों नहीं नियुक्त करते जिन पर आपका अधिकार क्षेत्र है? इस प्रकार उस दिन आकीश ने उसे सिकलग दिया। और तब से यह यहूदा के राजाओं का रहा है। तो, डेविड को ज़िकलाग को सौंपा गया है।

वह वहीं जाता है। और दाऊद एक वर्ष और चार महीने तक पलिशतियों के देश में रहा। इसलिए वह कुछ समय के लिए यहाँ हैं।

अब, डेविड इस दौरान क्या कर रहा है? खैर, श्लोक 8 में, डेविड और उसके लोग गए और गिशू अनुष्ठान पर हमला किया। और ये गिशू संस्कार, इन्हें भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। डेविड ट्रांसजॉर्डन में नहीं है।

वह यहाँ जॉर्डन के पूर्व में नहीं है। वह पश्चिम में पलिशती क्षेत्र में है। गिशु संस्कार वे गिशु संस्कार नहीं हैं जिनके बारे में हम ट्रांसजॉर्डन में रहने वाले लोगों के बारे में जानते हैं।

वे संभवतः गिशु संस्कार हैं जो जोशुआ अध्याय 13 में उन लोगों की सूची में शामिल हैं जिन्हें इस्राएलियों को जीतना था। इसका मतलब यह है कि ये मूल कनानी आबादी हैं। और इसलिए, दाऊद के पास उन्हें नष्ट करने का पूरा अधिकार है, क्योंकि यहोशू को परमेश्वर द्वारा दिया गया मूल आदेश यही था।

ये उन लोगों में से एक थे जिन्हें नष्ट किया जाना था। और इसलिए, वे इसके लिए वैध उम्मीदवार हैं। हमने गेर्जिट्स के बारे में भी पढ़ा।

हम नहीं जानते कि वे कौन हैं। हम वास्तव में उनके बारे में नहीं जानते। लेकिन हम जानते हैं कि तीसरा समूह, अमालेकियों, घृणित अमालेकियों, कट्टर दुश्मन हैं।

यदि आपको याद हो तो मूसा ने उन्हें विनाश के आदेश के तहत रखा था। जब वे जंगल में थे तब उन्होंने इस्राएलियों पर आक्रमण किया। और यहोवा ने कहा, मैं चाहता हूँ कि वे नष्ट हो जाएं।

और प्रभु को इस प्रकार का निर्णय लेने का अधिकार है। वे नष्ट नहीं हुए थे। वे दाऊद के समय में भी उतने ही दुष्ट थे जितने पहले थे।

शाऊल को उन्हें मिटा देना था। जाहिरा तौर पर, उसने उनमें से बहुतों को मिटा दिया, कम से कम जिन्हें वह उस आसपास तक पहुंचा सकता था। परन्तु आस-पास अभी भी अमालेकवासी हैं।

शाऊल ने उन्हें पूरी तरह नष्ट नहीं किया। और इसलिए, अमालेकी भी हैं। प्राचीन काल से ये लोग मिस्र में शूर तक फैली भूमि में रहते थे।

जब भी दाऊद ने किसी क्षेत्र पर आक्रमण किया, उसने इन लोगों पर आक्रमण किया। हम गेर्जिट्स के बारे में नहीं जानते, लेकिन उसे उन पर और निश्चित रूप से अमालेकियों पर हमला करने का पूरा अधिकार है। जब भी दाऊद ने किसी क्षेत्र पर आक्रमण किया, तो उसने किसी पुरुष या स्त्री को जीवित नहीं छोड़ा, बल्कि भेड़-बकरियों, मवेशियों, गधों और ऊँटों को अपने घरे में ले लिया।

और फिर वह अकीश के पास लौट आया। और डेविड ऐसा क्यों कर रहा है? वह सबको क्यों मिटा रहा है? खैर, उसके पास यहां एक योजना है। देखो, दाऊद इस्राएलियों पर आक्रमण नहीं करना चाहता।

वह ऐसा नहीं करना चाहता। वह प्रभु का कार्य करना चाहता है, भले ही वह विदेशी भूमि में हो। तो, यह एक सकारात्मक बात है।

दाऊद प्रभु का कार्य कर रहा है, अमालेकियों से लड़ रहा है, तब भी जब वह विदेशी भूमि में है। मुझे लगता है कि शाऊल के विपरीत। ऐसे में जब आकाश ने उनसे पूछा कि आज कहां छापेमारी करने गये थे? डेविड को रिपोर्ट करना था।

और दाऊद कहेगा, यहूदा के नेगेव के विरुद्ध, या कुछ अन्य के विरुद्ध। और इसलिए, डेविड अकीश से कह रहा है, मैं यहूदा पर हमला कर रहा हूं। तो डेविड जो कर रहा है, वह खुद को अकिश के वफादार विषय की तरह दिखा रहा है।

मुझे लगता है कि डेविड अकीश से संवाद करने की कोशिश कर रहा है, मैंने अपने लोगों को अस्वीकार कर दिया है। मैं अब तुम्हारे साथ हूँ। मैं एक भाड़े का व्यक्ति हूँ, और मैं आपके वफादार अनुयायियों में से एक बन गया हूँ।

लेकिन एक समस्या है। यदि इनमें से कुछ अमालेकियों या गशूरियों को जीवित रहना होता, तो वे संभवतः अकिश को रिपोर्ट कर सकते थे कि डेविड वास्तव में क्या कर रहा है। और वह नहीं चाहता कि ऐसा हो।

इसलिथे उस ने किसी पुरुष वा स्त्री को गत में लाने के लिथे जीवित न छोड़ा, वहां उस ने सोचा कि शायद वे हमें बता कर कहें, कि दाऊद ने यही किया। और हम ऐसा नहीं चाहेंगे। और जब तक वह पलिशती क्षेत्र में रहता था, तब तक उसका व्यवहार ऐसा ही था।

तो, डेविड को क्या करना होगा? उसे फिर से धोखे का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। चाहे आप इसे सकारात्मक मानें या नकारात्मक, डेविड यहां कुछ अच्छा कर रहे हैं। वह अमालेकियों से लड़ रहा है।

प्रभु यही चाहते हैं। लेकिन अकिश को यह विश्वास दिलाने के लिए कि वह वफादार है, उसे वास्तव में कई तरीकों से समझौता करना पड़ रहा है। अच्छा, यह काम करता है।

जब आप विश्वास से नहीं, दृष्टि से चलते हैं, तो कभी-कभी चीजें काम करने लगती हैं। लेकिन अंत में, इतना नहीं। अकीश ने दाऊद पर विश्वास करके मन में कहा, यह तो अपक्की प्रजा इस्राएलियों के लिथे इतना घृणित हो गया है, कि जीवन भर मेरा दास बना रहेगा।

इसलिए आकाश आश्चर्य है कि डेविड एक वफादार अनुयायी है। और हम 1 शमूएल 28, आयत 1 में पढ़ते हैं, कि उन दिनों में, पलिशतियों ने इस्राएल के विरुद्ध लड़ने के लिए अपनी सेनाएँ इकट्ठी कीं। और अब यहीं चीजें जटिल होने वाली हैं।

आकाश ने दाऊद से कहा, तुझे यह समझना चाहिए कि तू और तेरे लोग सेना में मेरे साथ रहेंगे। और डेविड ने कहा, आप उससे यह कहने की उम्मीद कर सकते हैं, ठीक है, मैं अपने मांस और खून के खिलाफ नहीं लड़ सकता। नहीं।

दाऊद ने कहा, तब तू आप ही देख लेगा कि तेरा दास क्या कर सकता है। और आकाश ने बहुत अच्छा जवाब दिया। मैं तुम्हें जीवन भर अपना अंगरक्षक बनाऊंगा।

तो, ऐसा प्रतीत होता है कि डेविड ने खुद को ऐसी स्थिति में डाल लिया है जहां उसका धोखा इतना सफल रहा है कि अकिश को पूरी तरह से यकीन हो गया है कि डेविड एक वफादार अनुयायी है। और उस ने दाऊद से कहा, हम निकलकर इस्राएलियों से लड़ेंगे। आप आ रहे हो।

आप हमसे जुड़ने जा रहे हैं। और डेविड कह रहा है, हाँ, मैं वह करूँगा। और इस बिंदु पर, हम कहानी को वहीं छोड़ने जा रहे हैं, क्योंकि अगले कुछ अध्यायों के दौरान लेखक जो करने जा रहा है वह डेविड और शाऊल के बीच आगे-पीछे होने वाला है।

हम डेविड पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। दाऊद ने देश छोड़ दिया और हमने शाऊल को पीछे छोड़ दिया है। शाऊल इस्राएल में वापस आ गया।

दाऊद यहाँ पलिशियों के साथ है। हम डेविड की गतिविधियों के बारे में पढ़ते रहे हैं। और यही तनाव है जो कहानी में विकसित हो गया है।

क्या दाऊद सचमुच युद्ध में उतरेगा और इस्राएल के विरुद्ध लड़ेगा? वास्तव में? क्या ऐसा होने वाला है? खैर, हमें इसका पता लगाने के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि लेखक अध्याय 28 के शेष भाग के लिए अपना ध्यान शाऊल पर केंद्रित करने जा रहा है। फिर वह 29 और 30 में डेविड के पास वापस आएगा, और फिर अध्याय में शाऊल के पास वापस आएगा। 31. और इसलिए कभी-कभी कहानी कहने में हमें ऐसा करना पड़ता है।

यदि आप लॉर्ड ऑफ द रिंग्स, रिटर्न ऑफ द किंग के मूवी संस्करण के बारे में सोचते हैं, तो हमारे पास गैंडालफ और अरागोर्न और उनके सभी साथी एक ही स्थान पर हैं। और फिर हमारे पास फ्रोंडो और सैम हैं और मोर्डोर में रिंग को नष्ट करने की उनकी खोज है। और आपको याद होगा कि कहानी आगे-पीछे होती रहती है।

हम इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि गैंडालफ और अरागोर्न के साथ क्या हो रहा है, फिर हम आगे बढ़ेंगे और हम इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि फ्रोंडो और सैम के साथ क्या हो रहा है, क्योंकि हम दोनों मोर्चों पर क्या हो रहा है, इसमें रुचि रखते हैं। और इसलिए, जिस तरह से कहानी बताई गई है, हम आगे-पीछे करते हैं। कभी-कभी जब कहानी इस तरह बताई जाती है, तो हम सब कुछ सही कालानुक्रमिक क्रम में नहीं रख पाते हैं।

कभी-कभी जब हम ए से बी में स्थानांतरित होते हैं, तो इसमें फ्लैशबैक शामिल होता है, और इसलिए कालानुक्रमिक ओवरलैपिंग होती है। इस विशेष खाते का मामला यही है। रॉबर्ट बर्गन ने 1 और 2 सैमुअल पर अपनी नई अमेरिकी टिप्पणी में इसे कालानुक्रमिक रूप से एक साथ रखने का अच्छा काम किया है।

हम इसे रिटर्न ऑफ द किंग से भी जानते हैं, क्योंकि टॉल्किन, पुस्तक के अंत में, हमें घटनाओं का कालक्रम देते हैं, ताकि हम देख सकें कि चीजें कालानुक्रमिक रूप से कैसे क्रमबद्ध होती हैं। इसलिए कहानी में कुछ कालानुक्रमिक ओवरलैपिंग होने वाली है। लेकिन जब हम अध्याय 28 पर आते हैं, तो ध्यान शाऊल पर केंद्रित हो जाता है।

और मैं अध्याय 28, श्लोक 3 से 25 तक कहता हूँ, मैंने इसका शीर्षक रखा है, सीन्स इन एंडोर, बैड न्यूज फ्रॉम बियॉन्ड द ग्रेव। तो वह है एंडोर में सीन्स, बियॉन्ड द ग्रेव से बुरी खबर। हम 1 शमूएल 28:3 में पढ़ते हैं, अब शमूएल मर गया था।

याद रखें, हमें अध्याय 25 में यह बताया गया था। और मैंने तर्क दिया कि यह एक प्रकार का पूर्वाभास था, कम से कम शाऊल के लिए, क्योंकि हमारी कहानी का पहला मुख्य पात्र, सैमुअल, इस दृश्य से गुज़र चुका है। दूसरा मुख्य पात्र शाऊल है।

शायद वह इस दृश्य को छोड़ने के लिए तैयार है। और वो है। और हम इस अध्याय में इसके बारे में पढ़ने जा रहे हैं।

शमूएल मर गया था और सारे इस्राएल ने उसके लिये शोक मनाया और उसे उसके अपने नगर रामा में दफनाया। और हम कुछ पृष्ठभूमि जानकारी भी प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि भले ही सैमुअल मर चुका है, वह इस खाते में दिखाई देगा। विश्वास करें या न करें, वह इस एपिसोड में दिखाई देने वाला है।

शाऊल ने ओझाओं और भूत-प्रेतों को देश से निकाल दिया था। आपको याद होगा कि पुराने नियम के कानून में कहा गया था कि माध्यम और भूत-प्रेत, वे लोग जो मृतकों की दुनिया में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं, भविष्य में क्या होने वाला है, इसके बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मृतकों के साथ संवाद करने का प्रयास करते हैं। पुराने नियम का कानून कहता है कि इज़राइल की भूमि पर इस प्रकार के लोग नहीं होने चाहिए।

और शाऊल ने, अपने श्रेय के कारण, उनसे छुटकारा पा लिया था। उन्होंने कानून का पालन किया था। लेकिन यह अध्याय शाऊल को सकारात्मक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास नहीं कर रहा है।

यह कुछ ऐसा है जो उसने किया जो सकारात्मक था, लेकिन जब धक्का देने की बात आती है तो वह वास्तव में सिद्धांत का उल्लंघन करने जा रहा है। और इस प्रकार पलिशती इकट्ठे हो गए हैं, और उन्होंने आकर शूनेम में डेरे खड़े किए हैं। जहां हमने दाऊद को छोड़ा था, वहां से हम थोड़ा आगे बढ़ गए हैं, क्योंकि पहिले पलिशती अपेक में इकट्ठे हो रहे थे, और फिर वे शूनेम की ओर चले गए।

और इसलिए हम यहां लड़ाई के लिए तैयार हो रहे हैं। हम थोड़ा आगे बढ़ेंगे। और फिर हमें ऐसा करना होगा, जब हम डेविड के पास वापस आएं, तो हमें फिर से वापस जाना होगा।

हम फ्लैशबैक में जा रहे हैं। शाऊल ने सारे इस्राएल को इकट्ठा किया और गिलबोआ में अपना डेरा लगाया। शाऊल ने पलिशती सेना को देखा।

विशिष्ट शैली में, शाऊल, जो हमेशा दृष्टि से चलता है, विश्वास से नहीं, वह डरता है। उसके हृदय में भय भर जाता है। उसने प्रभु से पूछा, परन्तु प्रभु ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया।

और कुछ विशिष्ट तरीके जिनसे लोग इन दिनों ईश्वर के साथ संवाद करने और ईश्वर से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते थे, वे सपने थे। परन्तु यहोवा शाऊल को कोई स्वप्न नहीं दे रहा था। वह किसी भविष्यवक्ता को शाऊल के भविष्य के बारे में कोई स्वप्न नहीं दे रहा था।

उरीम या पैगम्बर. इनमें से कोई भी तरीका काम नहीं आया. आप सोच सकते हैं कि उरिम-थुम्मिम विधि काम करेगी क्योंकि आप जानते हैं, आप बस एक प्रश्न पूछते हैं, बैग में हाथ डालते हैं और उत्तर निकल आता है।

उरीम शायद हाँ, थुम्मिम, और नहीं, या इसके विपरीत होगा। लेकिन उससे कोई जवाब नहीं मिल रहा था. और आप सोच रहे होंगे, क्यों नहीं? खैर, हम, प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में, इसके समान ही कुछ है।

और वहाँ हमें पता चलता है कि कभी-कभी यह केवल एक बार दिया गया उत्तर नहीं होता। आप सवाल मत पूछिए. यदि आप इस पद्धति का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको निश्चित संख्या में लगातार एक ही उत्तर देना होगा।

असीरियन समानांतर में जो हमारे पास है, आपको तीन बार उत्तर प्राप्त करना होगा, मेरा मानना है कि यह था। और इसलिए, शाऊल को कभी भी सही समय पर एक ही उत्तर नहीं मिल सका। उरीम और तुम्मीम हमेशा भ्रमित रहते थे।

इसका उसे कभी कोई सुसंगत उत्तर नहीं मिला। तो, मुझे लगता है कि शायद यहाँ यही चल रहा है। परन्तु यहोवा शाऊल से बातचीत नहीं कर रहा था।

यदि आपको याद हो, तो पूरी कहानी के दौरान, प्रभु डेविड से संवाद करते रहे हैं। दाऊद प्रभु से परामर्श कर रहा है, प्रभु से पूछताछ कर रहा है। हर बार जब वह प्रभु से पूछता है, प्रभु उसे विश्वसनीय उत्तर देते हैं।

और इसलिए, डेविड को किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं हुई। वास्तव में, उसके पास एब्द्यातार है, एपोद के साथ, याद है? एब्द्यातार, नोवे से जीवित बचा एकमात्र व्यक्ति, वह स्थान जहाँ शाऊल ने याजकों का सफाया कर दिया था। किसी ने उस से कहा, तब शाऊल ने अपने सेवकों से कहा, मेरे लिये एक माध्यम ढूँढ़ो, कि मैं जाकर उस से पूछूँ।

उन्होंने कहा, एंडोर में एक है। तो, शाऊल, जिसने पहचान लिया था कि यह गलत था, भूत-प्रेत, ओझा और वह सब, और देश में उनसे छुटकारा पा लिया, जब वह हताश होगा, तो वह इस तरह का काम करेगा। प्रभु उसे कोई स्वप्न नहीं दे रहा है।

जब प्रभु उरीम और तुम्मीम का उपयोग करते हैं तो वह उनके प्रश्न का उत्तर नहीं दे रहे हैं। प्रभु किसी भविष्यवक्ता के माध्यम से नहीं बोल रहे हैं। यहोवा शाऊल से बात नहीं कर रहा है।

संचार काट दिया गया है। और इसलिए, उसने फैसला किया, मुझे एक माध्यम ढूंढना होगा। मुझे ईश्वर से जानकारी प्राप्त करनी है, भले ही मुझे ईश्वर के नियम का उल्लंघन करना पड़े।

यह शाऊल की बहुत खासियत है। अनुष्ठान और उस तरह की चीजें हमेशा सही काम करने से बेहतर होती हैं। तो, शाऊल अपना भेष बदल लेता है, अच्छा विचार है, पलिश्टी सेना निकट है।

वास्तव में, वह जहां जा रहा है वहां पहुंचने के लिए उसे एक तरह से इसके बहुत करीब जाना होगा। वह दूसरे कपड़े पहनता है। वह राजा जैसा नहीं दिखना चाहता।

और रात को अँधेरे में वह और दो आदमी उस औरत के पास गए। और शाऊल इस माध्यम में आता है, जिसे अक्सर डायन कहा जाता है, लेकिन वह वास्तव में एक माध्यम है, उस प्रकार का व्यक्ति जो जीवितों की भूमि और मृतकों की भूमि के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करेगा। और वह कहता है, मेरे लिये किसी भूत से सलाह करो, और जो मैं नाम रखूं उसे मेरे लिये ले आओ।

लेकिन महिला ने उससे कहा, निश्चित रूप से आप जानते हैं, वह सोचती है कि यहां किसी तरह का स्टिंग ऑपरेशन चल रहा है, जिसके माध्यम से वे उसे जड़ से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। और स्त्री ने उस से कहा, तू निश्चय जानता है कि शाऊल ने क्या किया है। उसने ओझाओं और भूत-प्रेतों को देश से नाश कर दिया है।

तू ने मेरी मृत्यु के लिये मेरे प्राणों के लिये क्यों जाल बिछाया है? वह सोचती है कि वे उसे फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह दिलचस्प है, शाऊल को दिए अपने बयान में, वह उसे याद दिला रही है कि परमेश्वर के कानून के अनुसार ऐसा करना गलत है, और शाऊल ने स्वयं ओझाओं और भूत-प्रेतों को खत्म कर दिया था। तो, शाऊल को एक और अनुस्मारक मिलता है कि क्या सही है।

और उन्होंने पहले भी इसके अनुरूप काम किया था, लेकिन अब नहीं। शाऊल ने उससे प्रभु की शपथ खाई, अजीब बात है, क्योंकि प्रभु के जीवन की शपथ, तुझे इसके लिए दण्ड नहीं दिया जाएगा। तब स्त्री ने पूछा, मैं तेरे लिये किस को पालूं? उन्होंने कहा, सैमुअल को ऊपर लाओ।

खैर, सैमुअल अपने समय में एक भविष्यवक्ता था, और बहुत से लोग सलाह और जानकारी के लिए सैमुअल के पास जाते थे। और इसलिए, इस बिंदु पर, महिला इसे समस्याग्रस्त नहीं मानती है। वह यह नहीं कहती, यदि आप शमूएल के लिए पूछ रहे हैं, तो आपको शाऊल होना चाहिए।

वह अभी तक उस तरह से तर्क नहीं करती है। संभवतः बहुत से लोगों ने सैमुअल से जानकारी मांगी थी। याद कीजिए जब शाऊल और उसका नौकर यह जानना चाहते थे कि उनके गधे कहाँ हैं? वे जाकर शमूएल से पूछने वाले थे।

लेकिन जब महिला ने सैमुअल को देखा... तो, मुझे लगता है कि यहां उसके अनुभव में कुछ ऐसा घटित हो रहा है जो सामान्य से बाहर है। मुझे लगता है कि आम तौर पर वह मृतकों की दुनिया में प्रवेश करेगी। और जिस भाषा का प्रयोग किया गया है उससे हम जानते हैं कि उसके पास एक ओव था।

उसके पास, जिसे ओव कहा जाता है, एक अनुष्ठानिक गड्ढा था जिसे जमीन में खोदा गया था। प्राचीन निकट पूर्व में अन्यत्र भी इस प्रकार की चीज़ों का उल्लेख मिलता है। और वह अंडरवर्ल्ड में प्रवेश करना चाहेगी क्योंकि, उनकी सोच में, मृत आत्माएं वहीं हैं।

वे अंडरवर्ल्ड में हैं। और इसलिए, उसके पास यह गड्ढा था, और मुझे लगता है कि वह अपने मंत्रों के माध्यम से जाती होगी, और शायद वह आवाज में बोलने की आदी थी। बस एक आवाज.

शायद किसी प्रकार का दृश्य संपर्क, लेकिन आवाज़। लेकिन इस मामले में, यह उससे कहीं अधिक ज्वलंत है जितना मैं सोचता हूँ कि वह आमतौर पर इसकी अपेक्षा करती है। सो जब स्त्री ने शमूएल को देखा, तब ऊंचे शब्द से चिल्लाकर शाऊल से कहने लगी, तू ने मुझे क्यों धोखा दिया? आप शाऊल हैं.

और मैं यह सुझाव दे रहा हूँ कि यह दृश्य संपर्क ही था जो उसके अनुभव में भिन्न था, मुझे लगता है कि जब वह वास्तव में सैमुअल को देखती है, तो आत्मा सिर्फ मुझसे बात नहीं करती है। वह वास्तव में वापस आ रहा है. वह किसी के लिए भी ऐसा नहीं करेगा।

यदि वह वापस आ रहा है और एक ज्वलंत उपस्थिति बना रहा है, तो यह राजा के लिए होगा। वह किसी के लिए भी ऐसा नहीं करेगा। आप शाऊल हैं.

और राजा ने उस से कहा, मत डर। आप क्या देखते हैं? जाहिर है, शाऊल इसे नहीं देख सकता, या वह ऐसा करने की स्थिति में नहीं है। मैंने उसे गड्ढे की ओर झाँकते हुए देखा, और उसने सैमुअल को ऊपर आते देखा।

और एनआईवी इसका अनुवाद करता है, मुझे पृथ्वी से एक भूतिया आकृति निकलती हुई दिखाई दे रही है। तब शाऊल ने कहा, वह कैसा दिखता है? और वह कहती है, एक बूढ़ा आदमी लबादा पहने हुए आ रहा है। और सैमुअल का वर्णन इसी प्रकार किया गया है।

उसने अपना भविष्यसूचक वस्त्र पहन रखा है। समस्या यह है कि हिब्रू पाठ में, हमारे यहाँ बहुवचन रूप प्रयुक्त हुए हैं। मैं एलोहीम को आते हुए देखता हूँ, बहुवचन।

याद रखें एलोहिम हिब्रू में बहुवचन रूप है। यह आमतौर पर एक सच्चे ईश्वर या एक आत्मा को संदर्भित करता है। लेकिन जब इसका उपयोग इस तरह किया जाता है, तो आम तौर पर इसके साथ एक विलक्षण क्रिया होती है।

यहाँ बहुवचन है. आप इसका अनुवाद कर सकते हैं, मैं देवताओं को देखता हूँ, मैं आत्माओं को जमीन से बाहर आते हुए देखता हूँ। और आप इसका इस तरह अनुवाद कर सकते हैं.

कभी-कभी केवल व्याकरणिक सहमति के लिए, आपके पास बहुवचन क्रिया के साथ भी एक ही संदर्भ हो सकता है। हम यहां थोड़ा तकनीकी हो रहे हैं। इसलिए हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं कि वह यहाँ क्या कह रही है, लेकिन वह कह सकती है, मैं आत्माओं को आते हुए देख रही हूँ।

तात्पर्य यह है कि उसके साथ अन्य आत्माएँ भी हैं। किसी भी दर पर, शाऊल को इस बारे में इतनी चिंता नहीं है। वह सैमुअल पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है।

और इसलिए, वह कहता है, वह कैसा दिखता है, उसने पूछा। और वह कहती है, एक बूढ़ा आदमी लबादा पहने हुए आ रहा है। तब शाऊल को मालूम हुआ कि यह शमूएल है।

उसका वर्णन पर्याप्त था। मुझे लगता है, लबादे ने उसके लिए यह किया। और शायद दल।

किसी भी हालत में, शाऊल जानता था कि यह शमूएल था और उसने झुककर ज़मीन पर मुँह के बल दण्डवत् किया। तो, वह पैगंबर के प्रति सम्मान दिखा रहा है। शमूएल पद 15 में बोलता है, और वह जो कहता है वह बहुत दिलचस्प है, तू ने मेरा पालन-पोषण करके मुझे क्यों परेशान किया है? मृत्यु के बाद के जीवन का पुराने नियम का दृष्टिकोण बहुत दिलचस्प है।

यह उतना विकसित नहीं है जितना हम बाद के धर्मग्रंथों में देखते हैं। और सैमुअल ऐसा लगता है मानो वह वहाँ झपकी ले रहा हो या आराम कर रहा हो। और वह कहता है, तू ने मुझे पाल-पोसकर क्यों परेशान किया है? यह वैसा ही है जैसा हम यशायाह 14 में देखते हैं, जहाँ यशायाह बेबीलोन के राजा के मृतकों की दुनिया, शीओल में आने के बारे में बात कर रहा है।

और सारे अधोलोक में हलचल है। और वहाँ नीचे राजा हैं जो सिंहासनों पर कब्ज़ा कर रहे हैं। यह लगभग वैसा ही है जैसे अंडरवर्ल्ड में आपकी स्थिति जीवन में आपकी स्थिति को प्रतिबिंबित करती है।

आज हमारे पास अंडरवर्ल्ड और उसके बाद के जीवन और उस सब के बारे में पुराने नियम के दृष्टिकोण के बारे में बात करने का समय नहीं है। उस विषय के साथ पर्याप्त न्याय करने के लिए संभवतः कुछ व्याख्यानों की आवश्यकता होगी। परन्तु शमूएल कहता है, तू ने मुझे क्यों परेशान किया है? वह लगातार वही बोल रहा है जो आप पुराने नियम के बाद के जीवन के दृष्टिकोण से उम्मीद करेंगे।

और शाऊल कहता है, मैं बड़े संकट में हूँ। पलिशती मेरे विरुद्ध लड़ रहे हैं और परमेश्वर मेरे पास से चला गया है। वह अब मुझे उत्तर नहीं देता, न भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा, न स्वप्न के द्वारा।

इसलिए, मैंने आपको यह बताने के लिए बुलाया है कि मुझे क्या करना है। मैं एक हताश आदमी हूँ। भगवान मुझे उत्तर नहीं दे रहे हैं।

और इसलिए, मैंने तुम्हें प्रेरित करने का निर्णय लिया है, सैमुअल। और पद 16 में शमूएल कहता है, अब जब यहोवा तेरे पास से चला गया है, और तेरे ही वचनों के द्वारा यहोवा तेरे विरुद्ध हो गया है, तब तू मुझ से क्यों सलाह लेता है? आप ऐसा क्यों सोचेंगे कि मैं ईश्वर के विरुद्ध जाऊँगा? मैं भगवान का एजेंट हूँ। आपको अपना उत्तर मिल गया है।

प्रभु ने तुम्हें अस्वीकार कर दिया है। श्लोक 17, प्रभु ने वही किया है जो उसने मेरे द्वारा भविष्यवाणी की थी। मैंने कहा ये सब होगा।

यहोवा ने राज्य तुम्हारे हाथ से छीनकर तुम्हारे एक पड़ोसी को दे दिया है। और अब सैमुअल अधिक विशिष्ट है। याद रखें कि पहले उन्होंने अधिक सामान्य शब्दों में बात की थी, वह जो आपसे और उन सभी से बेहतर है।

डेविड को. डेविड एक है. क्योंकि तुम ने यहोवा की आज्ञा न मानी, वा अमालेकियों पर अपना भड़का हुआ क्रोध न भड़काया, इस कारण यहोवा ने आज तुम्हारे साथ ऐसा किया है।

याद रखें, शाऊल ने अमालेकियों को नहीं मारा था। क्या यह दिलचस्प नहीं है कि सैमुअल ने इसका संदर्भ एक अध्याय में दिया है जो उस अध्याय के ठीक बाद है जहां डेविड अमालेकियों को मार रहा है? यहोवा इस्राएल और तुम दोनों को पलिशियों के हाथ में कर देगा, और कल तुम और तुम्हारे पुत्र मेरे संग रहेंगे।

दूसरे शब्दों में, आप यहाँ आ रहे हैं. तुम अधोलोक में आ रहे हो। और यहोवा इस्राएल की सेना को भी पलिशियों के हाथ में कर देगा।

तो, सैमुअल का संदेश नहीं बदला है। वह शाऊल से कहता है, तू ने मुझे क्यों परेशान किया है? मैंने बहुत पहले भविष्यवाणी की थी, आप जानते हैं, प्रभु ने राज्य को आपसे छीन लिया था। आपने उसकी बात ठुकरा दी.

उसने तुम्हें अस्वीकार कर दिया है. उसके पूरा होने का दिन आ गया है. और बहुत से लोग सोचते हैं, क्या यह सचमुच सैमुअल हो सकता है? क्या हम शमूएल की आत्मा को जागृत कर सकते हैं? शायद ये कोई राक्षस है या ऐसा ही कुछ.

मुझे यह निष्कर्ष निकालने का कोई कारण नहीं दिखता। सैमुअल का संदेश उसके पहले के संदेश के अनुरूप है। उसका नाम सैमुअल है.

उसका वर्णन वैसे ही किया गया है जैसे सैमुअल का था। मुझे लगता है कि यह एक अनोखा अनुभव है. शमूएल को शाऊल से बात करने के लिए, शाऊल को अपना संदेश दोहराने के लिए, और उसे यह बताने के लिए कि उसका समय आ गया था, मृतकों में से वापस आने की अनुमति परमेश्वर द्वारा दी गई थी।

शाऊल स्पष्ट रूप से इसे अच्छी तरह से नहीं लेगा। यह उनके सिस्टम के लिए जबरदस्त झटका है. और वह शमूएल के शब्दों के कारण भय से भर कर भूमि पर गिर पड़ा।

उसकी ताकत खत्म हो गई है. उसने कुछ भी नहीं खाया था. महिला उसके पास आती है और देखती है कि वह हिल गया है और मूल रूप से कहती है, देखो, तुम्हारे नौकर ने तुम्हारी बात मानी है।

मैंने अपना जीवन अपने हाथों में लिया और वही किया जो आपने मुझसे कहा था। इसे मुझ पर न थोपें, मुझे लगता है कि इसका यही निहितार्थ है। मैंने वही किया जो आपने कहा था।

आपको संदेश पसंद नहीं आया. उन्होंने जो कहा वह आपको पसंद नहीं आया. लेकिन इसे मुझ पर मत थोपो।

इसलिए कृपया अपने सेवक की बात सुनें और मैं आपको कुछ भोजन दूँ ताकि आप खा सकें और अपने रास्ते पर जाने की शक्ति प्राप्त कर सकें। मुझे लगता है, वह उसे थोड़ा सा मक्खन लगाने की कोशिश कर रही है। लेकिन उन्होंने मना कर दिया और कहा, मैं नहीं खाऊंगा.

लेकिन पुरुष महिला के साथ जुड़ जाते हैं और वे उससे आग्रह करते हैं। और इसलिए, वह जमीन से उठता है और सोफे पर बैठ जाता है। और महिला खाना बनाती है.

वे खाते हैं। और उसी रात वे उठकर चले गये। तो, हम कहानी में उस स्थान पर आ गए हैं जहाँ शाऊल को दृश्य से हटाया जाने वाला है।

और यह डेविड के लिए दरवाजा खोलने वाला है। लेकिन डेविड ने खुद को एक कठिन परिस्थिति में फंसा लिया है। यह उसका समय है.

शाऊल युद्ध में मरने वाला है। समय आ गया है। परन्तु दाऊद उन पलिशियों के साथ समाप्त हो गया जो इस्राएल के विरुद्ध लड़ने वाले थे।

तो, डेविड अपनी पसंद की कठिन परिस्थिति में है। और हम इसके बारे में अपने अगले पाठ में बात करेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म और 1 और 2 सैमुअल पर उनकी शिक्षा है। यह 1 सैमुअल 26-28 पर सत्र 15 है। डेविड स्पेयर्स शाऊल अगेन, अध्याय 26। डेविड फ्लीस टू गैथ अगेन, अध्याय 27, और सीन्स इन ऐन डोर, बैड न्यूज बियॉन्ड द ग्रेव, अध्याय 28।